सं.ई. 11014/12/2021-हिन्दी/विविध/ 116

भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

केन्द्रीय जल आयोग

906(द), सेवा भवन, आर के पुरम,

नई दिल्ली - 110 066

दिनांक 24 मार्च, 2023

परिपत्र

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रूडकी द्वारा दिनांक 17-18 अगस्त 2023 को "जलवायु परिवर्तन एवं जल प्रबंधन" विषय पर हिंदी भाषा में 7वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। आयोग द्वारा जल के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न वैज्ञानिकों, अभियंताओं, जल प्रबंधकों, पर्यावरणविदों आदि से हिंदी भाषा में शोध पत्र आमंत्रित हैं। संस्थान में शोध पत्रों का सारांश प्राप्त होने की अंतिम तिथि **30 मार्च 2023** है।

विस्तृत जानकारी हेतु संगोष्ठी का ब्रौचेर संलग्न है तथा वैबसाइट http://www.nihroorkee.gov.in देखें।

संलग्नक: यथोपरि

24/3/2023

(रजिन्दर पॉल)

उप निदेशक(रा.भा.)

केंद्रीय जल आयोग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी

निदेशक, प्रशिक्षण निदेशालय, केंद्रीय जल आयोग

प्रतिलिपि सूचनार्थ :

1- अध्यक्ष, के.ज.आ के प्रधान निजी सचिव,

2- सदस्य, के.ज.आ के प्रधान निजी सचिव,

3- सदस्य, नदी प्रबंध, के.ज.आ के प्रधान निजी सचिव

4- सदस्य अभिकल्प एवं अनुसंधान, के.ज.आ के प्रधान निजी सचिव,

5- मुख्य अभियंता,(मा.सं.प्र.) के प्रधान निजी सचिव

सारांश आमंत्रण

उपर्युक्त विषयों तथा संगोष्ठी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विषयों पर शोध पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। शोध पत्र का सारांश (300 शब्दों से अधिक न हो) दिनांक 15 मार्च, 2023 तक प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है। सारांशों की कम्प्यूटर सॉफ्ट कॉपी (यूनिकोड फॉन्ट या क्रुतिदेव–10) भी भेजी जानी अपेक्षित है। पूर्ण तैयार शोध प्रपत्र में जिन कार्यों का वर्णन किया जाना है उनका उद्देश्य, परिणाम तथा निष्कर्ष सारांश में स्पष्ट रूप से दिया जाना चाहिए।

अपने सारांश की एक प्रति पंजीकरण फार्म के साथ निम्नलिखित पते पर दिनांक 15 मार्च 2023 तक भेजने का कष्ट करें।

ई–मेल प्रस्तुति
jalsangosthi@gmail.com

डाक प्रस्तुति
डॉ. मनोहर अरोड़ा
संयोजक : 7वीं राष्ट्रीय जल संगोष्ठी 2023
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन, रुड़की–247667 (उत्तराखण्ड)
टेलीफोन नं. 01332–249234, 249257, 249267, 249228

शोध पत्र आमंत्रण

शोध पत्र में शीर्षक, लेखकों के नाम, पदनाम, पता, ई–मेल एवं फोन नं. का उल्लेख स्पष्ट रूप से किया जाए। शोध पत्र (अधिक से अधिक 7 पेज, सिंगल स्पेस) की दो प्रतियां ए–4 आकार के पेपर पर (यूनिकोड या क्रुतिदेव–10 फॉन्ट में) ई–मेल एवं डाक द्वारा भेजी जानी अपेक्षित हैं।

शोध पत्र की कम्प्यूटर सॉफ्ट कॉपी यूनिकोड अथवा क्रुतिदेव–10 फॉन्ट में ही स्वीकार्य होगी।

शोध पत्रों का प्रकाशन

संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्रों को संयोजन समिति द्वारा एक प्रोसीडिंग/पेन ड्राईव के रूप में संकलित किया जाएगा। यह प्रोसीडिंग/पेन ड्राईव सभी प्रतिभागियों को संगोष्ठी के उद्घाटन दिवस पर पंजीकरण के समय उपलब्ध कराई जाएगी। जल संसाधन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों/कार्यालयों को भी यह प्रोसीडिंग/पेन ड्राईव उनके सुलभ संदर्भ हेतु उपलब्ध कराई जाएगी।

रुड़की शहर

रूड़की शहर (77°53'52" पूर्वी देशान्तर तथा 29°52'00" उ0 अक्षांश) उत्तराखंड राज्य के हरिद्वार जनपद में हिमालय पर्वत श्रेणी के दक्षिण से 30 कि.मी. की दूरी पर समुद्र तल से 268 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। साफ मौसम के दौरान यहाँ से ऊँची–ऊँची हिमाच्छादित चोटियों का मनोहारी दृश्य देखा जा सकता है। यहाँ पर वार्षिक औसत वर्षा 1050 मिमी. होती है, जिसमें से अधिकांश वर्षा जून मध्य से सितम्बर मध्य के दौरान होती है। इस शहर को हरिद्वार, ऋषिकेश तथा देहरादून एवं मसूरी के पर्वतीय स्थलों में स्थित तीर्थ स्थानों का प्रवेश द्वार माना जाता है जो कि दिल्ली से लगभग 180 कि.मी. की सड़क दूरी पर स्थित है। यह शहर अमृतसर–हावड़ा/दिल्ली–देहरादून रेल मार्गो से भी जुड़ा है। अन्तर्राज्यीय बस अड्डा, नई दिल्ली से यहाँ के लिए सुबह से मध्य रात्रि तक नियमित रूप से बस सेवाएं (डीलक्स तथा साधारण) उपलब्ध हैं। नई दिल्ली और देहरादून के बीच एक पूर्ण वातानुकूलित रेलगाड़ी (शताब्दी एक्सप्रेस) तथा एक अन्य सुपर फास्ट ट्रेन (जन शताब्दी एक्सप्रेस) उपलब्ध है। ये दोनों गाड़ियां रुड़की स्टेशन पर रुकती हैं। रुड़की के लिए अजमेरी गेट टैक्सी स्टैण्ड (दिल्ली) से टैक्सियां भी उपलब्ध रहती हैं। रुड़की का निकटतम हवाई अड्डा जौली ग्रांट, देहरादून है।

(संगोष्ठी से संबंधित सभी सूचनाएं आपको ई–मेल से संप्रेषित की जाएंगी)

पंजीकरण प्रपत्र

राष्ट्रीय जल संगोष्ठी - 2023

दिनांक 17–18 अगस्त, 2023

स्थान : राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

नाम (प्रथम लेखक): .....

संगठन: .....

पता: .....

पिन कोड: .....

टेलीफोन: .....मोबाईल .....

ई–मेल: .....

शोध पत्र का शीर्षक: .....

.....

.....

गेस्ट हाउस की आवश्यकता है/नहीं है।

रुड़की पहुंचने की तिथि: .....

वापसी की तिथि: .....

सह–लेखक एवं उनका पता
(टेलीफोन नं. तथा ई–मेल सहित)

2 .....

3 .....

4 .....

तिथि **हस्ताक्षर**

"जलवायु परिवर्तन एवं जल प्रबंधन"

विषय पर

राष्ट्रीय जल संगोष्ठी–2023

दिनांक 17–18 अगस्त, 2023

स्थान

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रुड़की

राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
आपो हिष्टा मयोभुवः

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान

(ISO-9001:2015)
जलविज्ञान भवन
रुड़की– 247667 (उत्तराखण्ड)
www.nihroorkee.gov.in

परिचय

जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों तथा राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान (रा.ज.सं.) रूड़की की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार रा.ज.सं. द्वारा वर्ष 1999 में तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता एवं सम्मान देने के उद्देश्य से पहली राष्ट्रीय जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए, प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल में अर्थात् वर्ष 2003, 2007, 2011, 2015 तथा 2019 में रा.ज.सं. द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठियों का सफल आयोजन किया गया। तद्नुसार इस वर्ष भी रा.ज.सं. 17–18 अगस्त 2023 को राजभाषा हिंदी में सातवीं राष्ट्रीय जल संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

हाल ही के वर्षों में विश्व के अधिकांश देशों में जल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं में निरन्तर वृद्धि हुई है जिससे नियोजन तथा प्रबंधन का संकट बढ़ा है। आज जल संकट को लेकर पूरा विश्व समुदाय चिंतित और भयभीत है। इसलिए इस समस्या के समाधान के लिए सभी स्तरों पर पूरी जिम्मेवारी तथा निष्ठा से समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। नियोजन की समस्याएं प्रायः असमान विकास, गुणवत्ता ह्रास तथा पर्यावरण के क्षय के कारण पैदा होती हैं। हमारे देश में जलविज्ञानीय समस्याएं स्थान एवं समय के अनुसार बदलती रही हैं। यह एक चौंकाने वाला सत्य है कि हमारे देश में वर्षा के मौसम में एक ओर बाढ़ की स्थिति होती है तो दूसरे क्षेत्रों में भयंकर सूखे की स्थिति रहती है। एक ही समय में कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि, कहीं जल ग्रसन समस्या तो कहीं जल प्रदूषण और मृदा अपरदन इत्यादि समस्याएं देखने को मिलती हैं। ये समस्याएं जल संसाधन नियोजकों के लिए एक बड़ी चुनौती हैं।

आज भारत में ही नहीं अपितु समूचे विश्व में जल संसाधनों के समुचित प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। हमारे देश में पर्यावरण संबंधी समस्याओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसके लिए तेजी से बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, औद्योगीकरण में अनियंत्रित वृद्धि, कृषि विस्तार तथा जंगलों का नष्ट होना आदि को प्रमुख कारण माना जा रहा है। बदलते परिवेश में जल और पर्यावरण सम्बंधी समस्याएं हमारे सामने आज एक चुनौती के रूप में विद्यमान हैं। अतः इसके हर पहलू पर विशेष ध्यान देकर ही हम जल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का हल ढूंढ सकते हैं। आज हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रबंधकों तथा पर्यावरणविदों को एकजुट होकर इस दिशा में विशिष्ट कार्य करने की आवश्यकता है।

उद्देश्य एवं कार्यक्षेत्र

भारतवर्ष के दीर्घकालिक विकास के संदर्भ में "जलवायु परिवर्तन एवं जल प्रबंधन" विषय पर गहन विचार–विमर्श करने तथा इनसे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा–परिचर्चा के बाद इनके बेहतर प्रबंधन के लिए एक कारगर रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान द्वारा रुड़की स्थित अपने मुख्यालय में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जा रही है।

यह संगोष्ठी जल की मात्रा, गुणवत्ता, मांग व आपूर्ति, पर्यावरणीय समस्याएं, चक्रवात और मानसून बाढ़, जैसी प्राकृतिक आपदाओं, जनसंख्या वृद्धि, औद्योगीकरण, कुशल कृषि पद्धति आदि के लिए एक ऐसा प्रेरक मंच होगा जहां पर देश के दीर्घकालिक विकास के लिए जलवायु परिवर्तन एवं जल प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मदों पर चर्चा–परिचर्चा की जाएगी। उपयुक्त एवं बेहतर प्रबंधन तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के सरकारी कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता एवं स्थान देने के उद्देश्य से इस संगोष्ठी की समूची कार्यवाही हिंदी में आयोजित की जाएगी।

संगोष्ठी के विषय

1. सतही जल निर्धारण एवं प्रबंधन
2. भूजल निर्धारण एवं प्रबंधन
3. बाढ़ एवं सूखा प्रबंधन
4. जलवायु परिवर्तन एवं उसके जल चक्र पर प्रभाव
5. नदियों में अविरल एवं निर्मल धारा बनाए रखने के लिए उपाय
6. पर्यावरण एवं जल गुणवत्ता
7. जल संसाधनों के मूल्यांकन एवं प्रबंधन के लिए जलविज्ञानीय निदर्श एवं निर्णय समर्थन तंत्र (Decision Support System)
8. जल संसाधनों के विकास एवं प्रबन्धन के लिए नवीनतम तकनीकें
9. झरना पुनरूद्धार
10. पर्वतीय क्षेत्रों में जल प्रबंधन
11. एकीकृत जल प्रबंधन युक्ति
12. जलविभाजक प्रबंधन
13. कृषि में जल बचत की तकनीकें
14. वर्षा जल संचयन एवं पुनः प्रयोग
15. जल संसाधन प्रबंधन में जन भागीदारी

संगोष्ठी स्थल

संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 17–18 अगस्त, 2023 को राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के सभागार में किया जाएगा। लगभग 300 व्यक्तियों के बैठने की समुचित व्यवस्था वाला यह सभागार सभी अपेक्षित सुविधाओं तथा उपकरणों से सुसज्जित है।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

- शोध पत्र सारांश भेजने की अंतिम तिथि : 15 मार्च, 2023
- स्वीकृत लेखों के संबंध में सूचना : 15 अप्रैल, 2023
- पूर्ण तैयार शोध प्रपत्र भेजने की अंतिम तिथि : 15 मई, 2023

प्रतिभागिता

वे सभी वैज्ञानिक, इंजीनियर, पर्यावरणविद, प्रबंधक, पारिस्थितिविद, नीति निर्धारक तथा अन्य सरकारी पदाधिकारी, शोधकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता तथा शिक्षाविद् जो जल के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतिभागिता हेतु सभी प्रतिभागियों को आने–जाने का खर्च स्वयं ही वहन करना होगा।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक स्वायत्तशासी संस्था है जो पिछले 45 वर्षों से देश में जलविज्ञान तथा जल संसाधन के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है। आज संस्थान ने मूलभूत, अनुप्रयुक्त तथा अन्य महत्त्वपूर्ण अनुसंधान संबंधी उपलब्धियों के चलते राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट ख्याति प्राप्त की है। संस्थान का मुख्यालय रूड़की में स्थित है। देश की क्षेत्रीय जलविज्ञान संबंधी विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु इस संस्थान के छः क्षेत्रीय केन्द्र तथा एक बाढ़ प्रबंधन अध्ययन केंद्र भी देश के अलग–अलग प्रांतों में कार्य कर रहे हैं।

संगोष्ठी संरक्षक

डॉ. सुधीर कुमार, निदेशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

संगोष्ठी अध्यक्ष

डॉ. मनमोहन कुमार गोयल
वैज्ञानिक 'जी', रा.ज.सं. रुड़की।

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. मनोहर अरोड़ा
वैज्ञानिक 'एफ' एवं राजभाषा प्रभारी, राजसं. रुड़की।

तकनीकी समिति

1. डॉ. संजय कुमार जैन, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
2. डॉ. एम.के. गोयल, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
3. डॉ. ए.के. लोहनी, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
4. डॉ. एन.के. गोयल, आई.आई.टी. रुड़की
5. डॉ. सी.एस.पी. ओझा, आई.आई.टी. रुड़की
6. डॉ. दीपक खरे, आई.आई.टी. रुड़की
7. डॉ. एम.एल. कंसल, आई.आई.टी. रुड़की
8. डॉ. एस.डी. खोब्रागडे, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
9. डॉ. ओमकार सिंह, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
10. डॉ. अनुपमा शर्मा, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
11. डॉ. सुरजीत सिंह, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
12. डॉ. मनोहर अरोड़ा, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
13. डॉ. मुकेश कुमार शर्मा, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
14. डॉ. सोबन सिंह रावत, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
15. डॉ. एस.एम. पिंगले, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
16. डॉ. प्रदीप कुमार, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की
17. डॉ. पी.के. मिश्रा, वैज्ञानिक, राजसं रुड़की

पंजीकरण

संगोष्ठी में पंजीकरण हेतु कोई शुल्क नहीं रखा गया है।

ठहरने की व्यवस्था

गेस्ट हाउस में निर्धारित दरों पर "पहले आओ–पहले पाओ" आधार पर की जाएगी। शेष प्रतिभागियों की व्यवस्था स्थानीय होटलों में की जाएगी। इस मद पर होने वाले खर्च को प्रतिभागियों द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा।